3 KUMAON (RIFLES)

3 Kumaon (Rifles) was raised on 23 October 1917 at Sitoli near Almora (Uttarakhand). This was the first Kumaoni Battalion of the British Indian Army. Prior to the raising of the Battalion, the Kumaonis used to get themselves recruited in various State Forces and irregular units. The fact that this unit gave the Kumaonis their first Battalion is a matter of great pride and honour for all ranks of the Regiment and the Unit. Since its raising, the Battalion has been in the forefront in almost all operations and wars conducted by the Indian Army. In its journey of hundred years ever since, the Battalion has served in varied terrain, participated in numerous operations pre and post independence wars, deployed in United Nation Missions and has distinguished itself in all spheres. The Battalion is completing 100 years of distinguished and dedicated service to the Nation on 23 October 2017.

The Battalion had the honour of participating in most of the wars/campaigns in Pre and Post Independent India including World War-I, NWFF, World War – II, Indo - Sino War 1962, Indo – Pak War 1948, 1965 and 1971. The Battalion has been actively participating in guarding the nation in Field, Line of Control, Counter Insurgency/Counter Terrorism and High Altitude operations. The Battalion was earmarked for deployment in United Nations Peace Keeping Force in the Democratic Republic of Congo from 3rd April 2012 to 1st August 2013. The Battalion is decorated with numerous gallantry awards and honours. During its valiant act the Battalion has a number of Martyrs who sacrificed their lives to safeguard the Country.

3 Kumaon (Rifles) has many decorations and awards to its credit such as one Battle Honour, a Theatre Honour, two Coveted Chief of the Army Staff Unit Citations, General Officer Commanding-in-Chief Northern Command Unit Appreciation and Force Commander's Unit Citation in UN Mission in Democratic Republic of Congo (MONUSCO). In addition, numerous individual awards have been earned by the Soldiers of the unit for their devotion to duty.

The Battalion is completing 100 Years of distinguished and dedicated service to the Nation on 23 Oct 2017. Celebration of this event serves to motivate and enthuse the present generation by making them aware of the past glory, valour and achievements of the Battalion.

In light of the distinguished service rendered by the Battalion to the Nation both in Operational and Peacetime Conditions, Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on 3 Kumaon (Rifles).

Credits:

Text	:	Based on the material received from proponent
Stamps/FDC/Brochure	:	Shri Kamleshwar Singh
Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

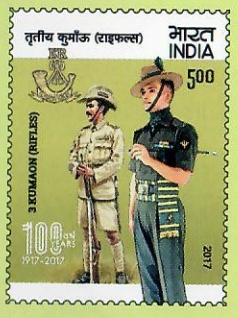

तृतीय कुमाँऊ (राइफल्स)

3 KUMAON (RIFLES)

100 वर्ष
100 YEARS
1917-2017

विवरणिका BROCHURE

तृतीय कुमाँऊ (राइफल्स)

3 कुमाँऊ (राइफल्स) की स्थापना 23 अक्तूबर, 1917 को अल्मोड़ा के समीप सिटोली, उत्तराखंड में हुई थी। यह ब्रिटिश भारतीय सेना की प्रथम कुमाउंनी बटालियन थी। इस बटालियन की स्थापना से पूर्व, कुमाउंनी लोग विभिन्न राज्यों की सेनाओं तथा अनियमित यूनिटों में भर्ती हुआ करते थे। वास्तव में, यह यूनिट कुमाउंनी लोगों की पहली बटालियन थी, जो रेजीमेंट तथा यूनिट के सभी रैंकों के लिए बड़े गर्व और सम्मान की बात है। अपनी स्थापना के समय से ही इस बटालियन ने भारतीय सेना द्वारा चलाए गए लगभग सभी अभियानों तथा युद्धों में अपनी भूमिका निभाई है। अपनी सौ वर्ष की यात्रा के दौरान, बटालियन ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा दी। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व तथा बाद के कई युद्धों में भाग लिया तथा संयुक्त राष्ट्र मिशनों में भी इसकी तैनाती रही तथा इसने सभी क्षेत्रों में अपना परचम फहराया। यह बटालियन 23 अक्तूबर, 2017 को राष्ट्र के लिए अपनी उत्कृष्ट और समर्पित सेवा के 100 वर्ष पूरे कर रही है।

इस बटालियन को प्रथम विश्व युद्ध, एनडब्ल्यूएफएफ, द्वितीय विश्व युद्ध, भारत-चीन युद्ध 1962 तथा 1948, 1965 और 1971 में पाकिस्तान के साथ लड़े गए युद्धों सहित भारत की स्वतंत्रता से पूर्व तथा बाद के अधिकतर युद्धों/अभियानों में भाग लेने का गौरव प्राप्त है। यह बटालियन, राष्ट्र की सुरक्षा हेतु युद्ध-क्षेत्र में, नियंत्रण-रेखा पर विद्रोही गतिविधियों/आतंकवाद विरोधी अभियानों में तथा उच्च तुगंता वाले क्षेत्रों में चलाए गए अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेती रही है। इस बटालियन को 3 अप्रैल, 2012 से 1 अगस्त, 2013 तक कांगों लोकतांत्रिक गणराज्य में शांति बहाली हेतु संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भी तैनात किया गया। इस बटालियन ने अनेक वीरता पुरस्कार तथा सम्मान अर्जित किए हैं। बहादुरी के इन कार्यों के दौरान, बटालियन के अनेक जवानों ने देश की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी है।

3 कुमाँऊ (राइफल्स) को कई पदक तथा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें एक युद्ध ऑनर, एक थिएटर ऑनर, सेनाध्यक्ष प्रशंसा पत्र, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ उत्तरी कमान यूनिट प्रशंसा पत्र तथा लोकतांत्रिक गणराज्य कांगों (एमओएनयूएससीओ) में यूएन मिशन में फोर्स कमांडर यूनिट प्रशंसा पत्र शामिल हैं। इसके अलावा, इसके सैनिकों को अपने कर्त्तव्य के प्रति समर्पण के लिए व्यक्तिगत रूप से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

यह बटालियन, 23 अक्तूबर, 2017 को राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवा के 100 वर्ष पूरे कर रही है। इस अवसर के आयोजन का उद्देश्य वर्तमान पीढ़ी को इस बटालियन के गौरवशाली अतीत, शौर्य तथा उपलब्धियों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें अभिप्रेरित और प्रोत्साहित करना है।

युद्ध और शांति काल, दोनों ही परिस्थितियों में इस बटालियन द्वारा राष्ट्र के प्रति समर्पित उत्कृष्ट सेवा के उपलक्ष्य में, डाक विभाग 3 कुमाँऊ (राइफल्स) पर एक स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/
विवरणिका : श्री कमलेश्वर सिंह

विरूपण मुहर : श्रीमती नीनू गुप्ता

भारतीय डाक
India Post

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500पैसा
Denomination	:	500p
मुद्रित डाक टिकटें	:	601200
Stamps Printed	:	601200
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00